HISTORY

B.A.(Hon's) PART-II

Paper-IV (History of Modern Asia(China & Japan))

Unit-II (Achievements of Chiang Kai-shek)

Dr. GUDDY KUMARI

(Guest Lecturer), History Deptt.

A.N.D. College, Samastipur

Lecture Series - 48

"च्यांग काई शेक की उपलब्धियां"

(Achievements of Chiang Kai-shek)

डॉ सन्यात सेन की मृत्यु के बाद कुओमित्तांग दल का अध्यक्ष चांग काई शेक हुआ। इसक जन्म 1888 ई में हुआ था। 1906 में उसने एक सैनिक विद्यालय में शिक्षा आरंभ की। बाद में वह उच्च शिक्षा के लिए जपान चला गया। जापान में ही उसकी भेंट डॉ सनयात सेन से हुई और वह उनसे प्रभावित हो उनके दल का सदस्य बन गया। वह कुओमितांग दल में काम करने लगा किंतु जब चीन में इस दल का दमन होने लगा तो वह कुछ दिनों के लिए इस दल के कार्यों से अलग हो गया बाद में वह फिर इस दल में आ गया और सैनिक संगठन के कार्य में लग गया।

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

1923 ई में उसे सोवियत सैनिक व्यवस्था के अध्ययन के लिए मास्को भेजा गया। वहां से लौटकर उसने कुओमितांग की सेना का संगठन किया तथा कुछ वर्षों के बाद उसे कुओमितांग की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति की स्थाई परिषद का प्रधान नियुक्त कर दिया गया।

चीन का एकीकरण:- कुओमितांग दल के नेता के रूप में च्यांग कई शेक के समक्ष कई कठिनाइयां थे। जिसमें सबसे प्रमुख काम चीनी राष्ट्र के एकीकरण का था। चीन की एकीकरण के लिए उसने एक सैनिक अभियान चलाने का निश्चय किया। इस अभियान के प्रारंभ होने के कारण सर्वत्र कुओमितांग सेना का मुक्तिदाता के रूप में स्वागत हुआ। इस अभियान में सिपाही, मजदूर तथा किसान हर तरह से साथ दिए। च्यांग ने कई प्रांतों पर अपना कब्जा कर लिया। इसी बीच कुओमितांग दल के वाम पक्ष में फूट पड़ गया। इसमें कम्युनिस्टों का प्रभाव बढ़ने लगा। अतः च्यांग को लगा कि चीनी क्रांति की एकता संकट में है अतः वह वामपक्षी प्रशासन से अपना नाता तोड़ दक्षिणपंथीओ के प्रभाव में आ गया और नान किंग में अपनी अलग सरकार काम कर ली। इसी समय वामपंथी नेता वामपंथी दल में उपस्थित साम्यवादियों की सफलता से डरकर साम्यवादियों को अपने दल से निकाल दिए और च्यांग से आकर मिल गए। इस तरह कुओमितांग दल में एकता कायम हो गई। दल में एकता कायम करने के उपरांत च्यांग ने देश की एकता कायम करने के लिए पुनः अपना सैनिक अभियान शुरू किया और 1928 ई

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

तक लगभग चीन के सारे प्रांत पर च्यांग का अधिकार हो गया और चीन की एकीकरण पूरी हो गई।

चीन का नया संगठन:- राष्ट्रीय एकता के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए अक्टूबर 1928 ई में कुओमितांग दल की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक बुलाई गई और "राष्ट्रीय सरकार की मौलिक विधि" निर्मित की गई। जिसके अनुसार शासन का एक अस्थाई नया ढांचा तैयार किया गया। एक विशेष विधि द्वारा प्रांतीय शासन को भी संगठित किया गया। इस संविधान ने कुओमितांग दल को देश में सर्वोपरी बना दिया और भावी पुनर्गठन के लिए रास्ता साफ कर दिया। इसके बाद 1931 ई में एक नया संविधान बना। इस संविधान में देश की सीमा नागरिकता संबंधी नियम आदि सभी बातों का उल्लेख कर दिया गया। तथा चीन को एक गणतंत्र राष्ट्र घोषित कर चीनी जनता को सारे मौलिक अधिकार दे दिए गए। राष्ट्रपति पद को सेना की अध्यक्षता से मुक्त कर दिया गया लेकिन इस परिवर्तन से च्यांगके महत्व और शक्ति में कोई परिवर्तन नहीं आया और अगले वर्ष वह देश का सर्वेसर्वा हो गया।

च्यांग काई शेक द्वारा किए गए आंतरिक सुधार निम्नलिखित थे:-

कानूनी व्यवस्था में सुधार- पाश्चात्य देशों के दृष्टिकोण से चीन की कानूनी व्यवस्था अत्यंत पिछड़ी थी। इसी कारण पश्चिमी राष्ट्र चीन में अपने राज्यक्षेत्रातीत आर्थिक अधिकार छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। अतः विदेशियों के चंगुल से मुक्ति पाने के लिए सर्वप्रथम चीन की

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

कानूनी व्यवस्था में परिवर्तन किया गया। 1929 ई से 1931 ई के बीच में एक नया कानून संग्रह निर्मित हुआ। जो मुख्यतः दीवानी बातों से संबंधित था। इसी वर्ष व्यवसायिक क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र में नए नए कानून बने। श्रम कानून बना और मजदूरी का समय निश्चित किया गया। 1935 ई में एक फौजदारी कानून संग्रह भी बनाया गया और विभिन्न क्षेत्रों के व्यवहार नियम भी बनाए गए। आधुनिक ढंग की कचहरी की स्थापना भी की गई। नान किंग में एक सुप्रीम कोर्ट स्थापित हुआ।

सैनिक सुधार:- जुलाई 1927 में जब चीन के रूसी सलाहकार और विशेषज्ञ लौटकर रुस चले गए तो च्यांग काई शेक ने मास्को से संधि विच्छेद कर लिया और अत्यंत चतुराई से जर्मनी विशेषज्ञों को बुलाना आरंभ किया। विशेषज्ञों ने चीनी फौजियों को जर्मनी के नमूने पर संगठित किया तथा जर्मन अस्त्र शस्त्रों से सुसज्जित किया।

आर्थिक सुधार:- नानकिंग सरकार की सबसे बड़ी समस्या आर्थिक थी। चीन के सभी साधन विदेशियों के हाथ में थे। चीन की सरकार पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा था। सरकार अब भी बॉक्सर हरजाने से लदी हुई थी। इसके अलावा भूमि पर भी सरकार का कोई नियंत्रण नहीं था। देश में यदा-कदा भीषण अकाल तथा बाढ़ का भी प्रकोप हुआ करता था। इन सारी समस्याओं से निपटने के लिए च्यांग काई शेक ने कई कार्य किए। 1928 में निर्मित सारे राष्ट्रीय कार्यालयों को संगठित किया गया। अर्थ

Dr Gunjan Kumari (A.N.D College)

मंत्री टी वी सूंग ने आयकर वसूलने तथा संतुलित बजट पेश करने का नियम बनाए। चीन के चार प्रमुख बैंकों को नोट छापने का अधिकार दे दिया गया। इन बैंकों से सरकार को अब कर्ज भी मिलने लगा। इस प्रकार आर्थिक दशा में पर्याप्त सुधार हुआ। लेकिन च्यांग काई शेक ने कृषि सुधार की ओर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

यातायात के साधन एवं संचार के साधन में विकास:-

इस काल में चीन में रेल की लाइनों तथा नई नई सड़कों का निर्माण हुआ। नानकिंग सरकार ने अपने रेलवे मंत्रालय का पुनर्गठन किया और रेलवे बोर्ड की स्थापना हुई। सड़कों के निर्माण तथा उनकी देखभाल के लिए एक राष्ट्रीय सड़क योजना आयोग भी स्थापित किया गया। साथ ही वायु मार्ग भी विकसित करने का प्रयास किया गया। 1931 में चीनी राष्ट्रीय वायु मार्ग निगम की स्थापना हुई। इसके अतिरिक्त विदेशियों द्वारा कई वायु कंपनियां खोली गई। नदियों के जरिए आंतरिक व्यापार तथा समुद्री बंदरगाहों से विदेशी व्यापार के लिए बड़े छोटे जहाज बनाने के लिए कई फैक्ट्रियां और नाविक कंपनियां खोली गई। पोस्ट ऑफिस का भी पुनः गठन किया गया तथा चीन के अन्य इलाकों में स्थापना की गई। इसके साथ ही डाकघर तार टेलीफोन आदि का भी प्रबंध किया गया।

सामाजिक प्रगति:- चीनी समाज में सुधार लाने के लिए नानकिंग सरकार ने राष्ट्रसंघ की सहायता से जनस्वास्थ्य जनशिक्षा तथा अफीम

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

निषेध की दिशा में काफी प्रगति की। ज्ञान तथा विज्ञान के विभिन्न अंगों पर शोध कार्य करने की व्यवस्था की गई। सरकार ने अनेक महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालयों एवं अनेक स्कूलों की भी स्थापना की। नई कानून व्यवस्था बनाकर स्त्रीयों एवं पुरुषों को समानता का स्थान दिया गया।

निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि च्यांग काई शेक एक महान क्रांतिकारी नेता था। उन्होंने चीन का एकीकरण कर देश की आंतरिक स्थिति में भी काफी सुधार किया। तथा विदेशियों के प्रभुत्व को भी चीन से खत्म किया और इस तरह च्यांग काई शेक ने चीनी राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

!!!!!!!!!!!! धन्यवाद !!!!!!!!!!!!!!

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)